भारत का भुगतान संतुलन

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)](#) के आँकड़ों से पता चला है कि भारत के [चालू खाते](#) में **वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में अधिशेष दर्ज** किया है। यह 11 तिमाहियों में पहला अधिशेष था।

- यह उपलब्धि **भारत** के [भुगतान संतुलन (BoP)](#) के महत्त्व को रेखांकित करती है तथा मुद्रा विनिमय दरों, सॉवरेन क्रेडिट एवं समग्र आर्थिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को उजागर करती है।

Understanding India's Balance of Payments

(In $ billion)			Q4 FY24	FY24	FY23	FY21	FY25#
Current account*			6	-23.3 (0.7% of GDP)	-67 (2% of GDP)	24 (0.9% of GDP)	-39 (1% of GDP)
	Trade of Goods		-51	-242	-265	-102	-268
	Trade of Services (Invisibles)		57	218	198	126	229
		Services	43	163	143	89	171
		Transfers	29	106	101	74	106
Capital account*			25	86	59	63	77
	Foreign investment		13	54	23	80	52
		FDI	2	10	28	44	20
		FII	11	44	-5	36	32
	Loans		2	2	8	6	10
	Banking Capital		7	41	21	-21	15
	Other Capital		3	-10	7	-2	0
Balance of Payments*			31	64	-9	87	38
Change in Forex**			-31	-64	9	-87	

**A minus sign is deficit; ** A minus sign shows increase in India's foreign exchange reserves; # Forecast by ICICI Securities*
Source: RBI, ICICI Securities, Indian Express Research

[//](#)

भुगतान संतुलन क्या है?

- **परिचय:** भुगतान संतुलन **एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक संकेतक** के रूप में कार्य करता है, जो भारत एवं शेष विश्व के बीच सभी वित्तीय लेन-देन का

विवरण देता है।

- यह व्यापक खाता बही धन के अंतर्वाह और बहिर्वाह पर नज़र रखता है, जहाँ अंतर्वाह को सकारात्मक एवं बहिर्वाह को नकारात्मक के रूप में चिह्नित किया जाता है, जो वैश्विक स्तर पर देश की आर्थिक अंतःक्रियाओं को दर्शाता है।
- यह **विदेशी मुद्राओं के तुलना में रुपए की सापेक्ष मांग** को मापता है, जो विनिमय दरों एवं आर्थिक स्थिरता को विशेष रूप से प्रभावित करता है।

- **BoP के घटक:**
  - **चालू खाता:**
    - **वस्तुओं का व्यापार:** भौतिक आयात एवं निर्यात को ट्रैक करता है, जो व्यापार संतुलन को दर्शाता है। घाटा निर्यात की तुलना में अधिक आयात का संकेत देता है।
    - **सेवाओं का व्यापार (अदृश्य):** इसमें IT, पर्यटन तथा धनप्रेषण जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जो व्यापार घाटे के बावजूद भारत के चालू खाता अधिशेष में सकारात्मक योगदान देते हैं।
    - इन **दोनों घटकों का शुद्ध योग चालू खाता शेष निर्धारित** करता है। वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में, भारत ने चालू खाते पर अधिशेष दर्ज किया, जिसमें अदृश्य अधिशेष लेकिन व्यापार खाते में घाटा था।
  - **पूंजी खाता:**
    - इसमें [प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)]() तथा [विदेशी संस्थागत निवेश (FII)]() जैसे निवेश शामिल हैं, जो आर्थिक विकास एवं स्थिरता के लिये आवश्यक हैं। पूंजी खाता प्रवाह वाणिज्यिक उधार, बैंकिंग, निवेश, ऋण और पूंजी जैसे कारकों को प्रतिबिंबित करता है।
      - वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में, भारत ने पूंजी खाते पर 25 बिलियन अमेरीकी डॉलर का शुद्ध अधिशेष को दर्शाया।

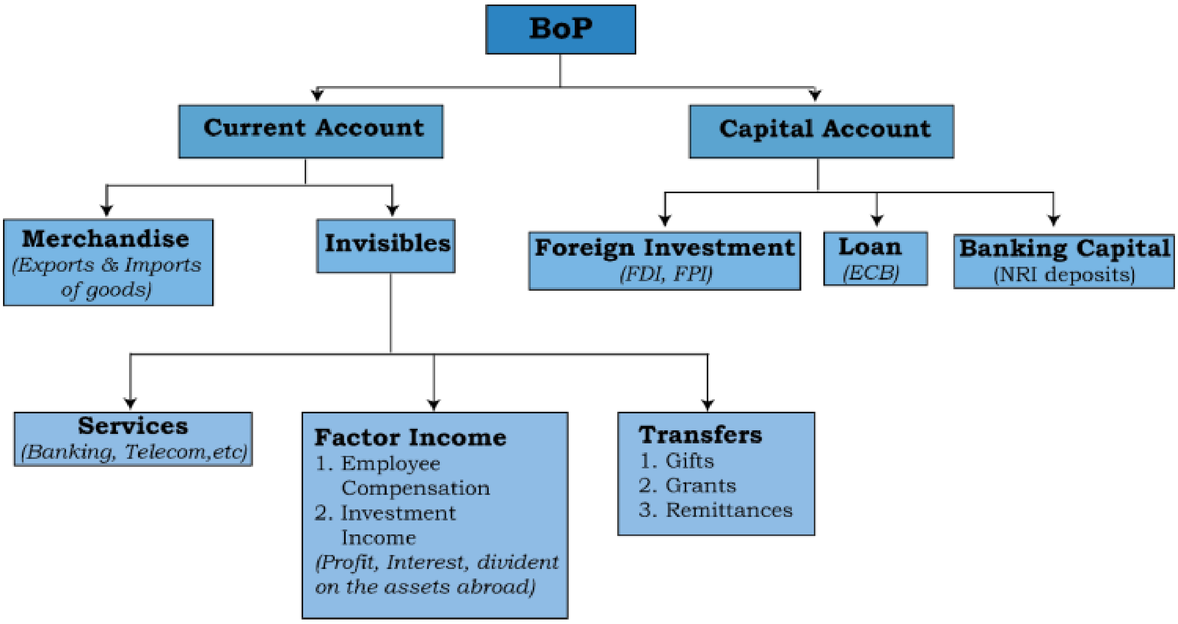

- **असंतुलन:** भुगतान संतुलन में अधिशेष का अर्थ घाटे की स्थिति से है।
  - भुगतान संतुलन अधिशेष उस स्थिति में होता है **जब किसी देश की निर्यात, सेवाओं और निवेश से होने वाली आय, उसके आयात तथा बाह्य दायित्वों पर होने वाले व्यय से अधिक** हो जाती है।
- **चुनौतियाँ:** अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन को सही ढंग से रिकॉर्ड करने में जटिलताओं के कारण **भुगतान संतुलन गणना में त्रुटियाँ और चूक शामिल** हैं।
  - लगातार घाटा किसी देश की आर्थिक स्थिरता पर तनाव उत्पन्न कर सकता है, जिसके लिये बाह्य उधार या **IMF** जैसी **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से सहायता की आवश्यकता** हो सकती है।
  - आम धारणा के विपरीत, **घाटा स्वाभाविक रूप से नकारात्मक नहीं होता और न ही अधिशेष स्पष्ट रूप से सकारात्मक होता** है। घाटा रणनीतिक निवेश का संकेत हो सकता है, जबकि अधिशेष मज़बूत आर्थिक स्वास्थ्य के बजाय कम आयात से उपजा हो सकता है।
- **BoP का प्रबंधन:**
  - **विदेशी मुद्रा भंडार:** RBI बाज़ार हस्तक्षेप के माध्यम से विदेशी मुद्रा भंडार को और ब्याज दरों को समायोजित करने, [खुले बाज़ार परिचालन]() एवं उधार लेने तथा खर्च को प्रभावित करने जैसे उपकरणों का उपयोग करके भुगतान संतुलन में उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करता है।
  - **नीतिगत हस्तक्षेप:** सरकार भुगतान संतुलन की गतिशीलता को स्थिर करने के लिये व्यापार नीतियों और विनियामक उपायों को क्रियान्वित करती हैं, जिससे सतत् आर्थिक विकास सुनिश्चित होता है।
    - **अपस्फीति मुद्रा आपूर्ति** या कुल मांग में जानबूझकर की गई कमी है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू कीमतें कम हो सकती हैं,**जिससे निर्यात अधिक प्रतिस्पर्द्धी हो सकता है और आयात सहित खपत कम हो सकती है।** हालाँकि इससे आर्थिक मंदी और बेरोज़गारी में वृद्धि जैसे जोखिम भी उत्पन्न होते हैं।
  - **विदेशी निवेश संवर्द्धन:** कर प्रोत्साहन देकर, बुनियादी ढाँचे में सुधार, कारोबारी माहौल और विदेशी व्यवसायों के लिये विनियमनों को

सुव्यवस्थति करके पूंजी खाते को बढ़ाने हेतु वदिशी नविश को बढ़ावा देना।

- **इससे वदिशी पूंजी और प्रौद्योगकिी आकर्षति हो सकती है, जसिसे नर्यात क्षमता में संभावति सुधार हो सकता है।**

UPSC सविलि सेवा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न 1. नम्निलखिति कार्यवाहियों पर वचिार कीजयि जो सरकार द्वारा की जा सकती हैं: (2011)

1. घरेलू मुद्रा का अवमूल्यन
2. नर्यातों को मलिने वाली आर्थकि सहायता में कटौती
3. उन उपर्युक्त नीतियों को लागू करना जसिसे देश में अधकि FII तथा FDI से अधकि नधिआिए

उपर्युक्त में से कौन-सी क्रयाि/क्रयािएँ चालू खाते के घाटे को कम करने में सहायक साबति हो सकती है/हैं?

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1 और 3

उत्तर: (d)

प्रश्न 2. भुगतान संतुलन के संदर्भ में नम्निलखिति में से कौन चालू खाता प्रदर्शति करता है/गठन करता है? (2014)

1. व्यापार संतुलन
2. वदिशी संपत्तति
3. अदृश्य का संतुलन
4. वशिष आहरण अधकिार

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-balance-of-payments